www.awgp.org

www.diya.net.in

युवा क्रांति वर्ष- 2016

वृक्ष गंगा अभियान

(तरु पुत्र / तरु मित्र बनें)

दश कूप समो वापी दशवापी समो ह्रदः ।
दश ह्रद समः पुत्रः दशपुत्र समो द्रुमः ।।

भावार्थ - दस कुओं के समान एक वापी होती है। दस वापियों के समान एक सरोवर होता है। दस सरोवरों के समान एक पुत्र का महत्व है। इसी प्रकार दस पुत्रों के समान एक वृक्ष लगाना पुण्यदायी होता है।

वृक्ष विषपायी शिव है जो सदा कल्याण करते हैं संसार के विष (CO_2) को पीकर कल्याणकारी प्राणदायी प्राण वायु (O_2) प्रदान करते हैं। अपने जीवनकाल में करोड़ों की सम्पदा प्रकृति में लुटाते हैं और अपने देवता होने का प्रमाण देते हैं। एक मनुष्य को सम्पूर्ण जीवनकाल में जितनी ऑक्सीजन एवं काष्ठ की आवश्यकता होती है उसे तीन पेड़ मिलकर पूरा करते हैं। अतः हम सभी को अपनी सासों के कर्ज से मुक्ति हेतु न्यूनतम तीन वृक्ष लगाना और पालना चाहिए।

वृक्ष ही हमारे जीवन साथी हैं बचपन के पालने से लेकर अन्त्येष्टि की लकड़ी इन्हीं से प्राप्त होती है। वृक्ष ही हैं जो बादलों को आकर्षित करते नदियों को सदानीरा बनाते और प्राणी जगत के जीवन को आधार देते हैं।

युवा क्रान्ति वर्ष 2016

विचार क्रान्ति अभियान

एक वृक्ष के अनुदान (50 वर्ष में)

१. प्राण वायु (Oxygen)	- 15,00,000
२. वायु प्रदूषण नियंत्रण एवं भूमि की उत्पादकता वृद्धि (Air Pollution Control & Improvement in Soil Fertility)	- 31,00,000
३. भूमिक्षरण नियंत्रण (Soil Erosion Control)	- 15,60,000
४. जल संरक्षण (Water Conservation)	- 18,80,000
५. पशु पक्षियों का आश्रय (Shelter Wildlife)	- 16,60,000
६. काष्ठ, फल, चारा (Wood, Fruits & Fodder)	- 4,00,000
कुल योग (एक करोड़ एक लाख रुपये)	**1,01,00,000**

अतः **वृक्ष गंगा अभियान** के अन्तर्गत तरुपुत्र/तरुमित्र योजना में भागीदार बनकर एक वृक्ष का रोपण कर उसे पुत्रवत् पालने अथवा मित्रवत् उसकी रक्षा करने का संकल्प करें। समाज को एक करोड़ से अधिक राशि का अनुदान देने का पुण्य कमाऐं तथा आने वाली पीढ़ियों को विरासत में हरा जीवन और खुशहाली देकर जायें।

अखिल विश्व गायत्री परिवार, शान्तिकुञ्ज-हरिद्वार

वृक्ष प्रकृति के परिधान है, आध्यात्मिक प्रशिक्षक हैं, जल दाता - जीवन दाता है, मानव जाति के अनन्य सेवक हैं, प्राण दाता, आरोग्य दाता धनवन्तरी हैं तथा कर्ण और दधीचि जैसे दानदाता हैं।

-पं. श्रीराम शर्मा आचार्य